संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 3 • अंक 4 • अप्रैल 2025

Volume 3 • Issue 4 • April, 2025

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

पुनरुत्थान के युग में श्रम साध्यता को अधिक महत्व प्राप्त हुआ। यह विचार कोई मूल विचार नहीं था। कलाकार के श्रम को मान्यता मिलने लगी। उसकी कलाकृति की प्रशंसा होने लगी। कला की परिभाषा में विज्ञान के ज्ञान के साथ-साथ श्रम साध्यता को भी महत्व प्राप्त हुआ। इससे भी लोग सौंदर्य का अनुभव लेने लगे, उससे आनंद की प्राप्ति करने लगे। जिस कला में जितनी अधिक श्रम साध्यता दिखेगी उतनी उसकी प्रशंसा होने लगी। कलाकार को यदि यश प्राप्त करना है तो उसे कला का ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक माना गया। इस प्रकार कलाकार जिसकी रचना कर रहा है उस कला का उसे सैद्धांतिक ज्ञान रहना चाहिए तथा अपनी कला को एक जीवंत स्वरूप देने की उसकी क्षमता होनी चाहिए। अधिक ज्ञान से कलाकार को सफलता नहीं मिल सकती, यह धारणा बन गई। उसे विषय-वस्तु तथा कला के स्वरूप का ज्ञान होना ही चाहिए, यह विचार दृढ़ बन गया। कलाकार को ज्ञान होना चाहिए, इसके बिना वह उच्चतम कला की रचना नहीं कर सकता। इसीलिए कवि को व्याकरण तथा अलंकार शास्त्र का ज्ञान होना आवश्यक है। इसी प्रकार उसे अन्य नैतिक तथा प्राकृतिक नियमों का ज्ञान होना चाहिए। इसके साथ उसका भाषा पर पूर्ण अधिकार होना चाहिए। इतिहास, भूगोल तथा पुरातत्व का भी उसे ज्ञान रहना चाहिए। चित्रकार को भी उचित शिक्षा लेनी चाहिए, यह माना गया। चित्रकार समाज का एक महत्वपूर्ण सदस्य है एवं उसकी देखभाल करना समाज का दायित्व है, यह भी माना गया।

इस प्रकार पुनरुत्थान युग में कलाकार का काम करने का तरीक इतना सटीक बन गया कि श्रम साध्यता तथा संपूर्ण ज्ञान प्राप्ति - ये दो बातें श्रेष्ठ कला के निकट मानी गईं। कलाकार की तरफ केवल एक भावुक व्यक्ति की भाँति न देखकर उसे एक विज्ञाननिष्ठ एवं अध्ययनकर्ता की दृष्टि से देखा जाना चाहिए, यह धारणा बन गई। इस युग का कलाकार स्वयं को कल्पनावादी समझने की बजाय दार्शनिक समझने में धन्य मानने लगा। दार्शनिक मतलब प्रज्ञा का प्रेमी, वस्तु के स्वरूप की परिभाषा तथा संशोधन करने वाला व्यक्ति।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

अप्रैल 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दिनांक 15 अप्रैल, 2025 को दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, महाराष्ट्र में दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में भारत के संविधान के अमृत महोत्सव एवं बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वी जयंती के अवसर पर उनके लेखों एवं भाषणों पर आधारित एक वैचारिक महानाट्य – 'क्रान्ति-विचार' का मंचन किया गया।

इस नाटक की परिकल्पना, लेखन एवं निर्देशन डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी द्वारा किया गया एवं इसके निर्माण प्रमुख राजीव कुमार, निदेशक, सीसीआरटी हैं।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली एवं डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में भारत के संविधान के अमृत महोत्सव एवं बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वी जयंती के अवसर पर उनके लेखों एवं भाषणों पर आधारित एक वैचारिक महानाट्य – 'क्रान्ति-विचार' का मंचन किया गया।

इस महानाट्य की प्रस्तुति 17 अप्रैल 2025 को भीम हॉल, डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, जनपथ, नई दिल्ली में की गई।

- सीसीआरटी द्वारा 16 से 30 अप्रैल 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली में दीप प्रज्वलन के साथ स्वच्छता शपथ दिलाई गई, जिसमें अध्यक्ष सीसीआरटी डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, सभी अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद, उदयपुर एवं गुवाहाटी में भी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता शपथ एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्षेत्रीय केंद्र उदयपुर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय विद्यालय में जनजातीय बच्चों के बीच स्वच्छता पर आधारित व्याख्यान आयोजित किया गया।

- सीसीआरटी द्वारा 16-30 अप्रैल 2025 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया गया। दिनांक 18/04/2025 को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर, देश के विभिन्न भागों में सरकारी स्कूलों में कार्यरत सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लबों में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ, शिल्प व्यावहारिक कक्षाएँ, लोक नृत्य, विश्व धरोहर स्थलों पर सीसीआरटी प्रकाशनों पर चर्चा, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत स्थलों का शैक्षिक दौरा आयोजित किया गया, जिसमें हजारों छात्रों और 100 शिक्षकों ने भाग लिया।

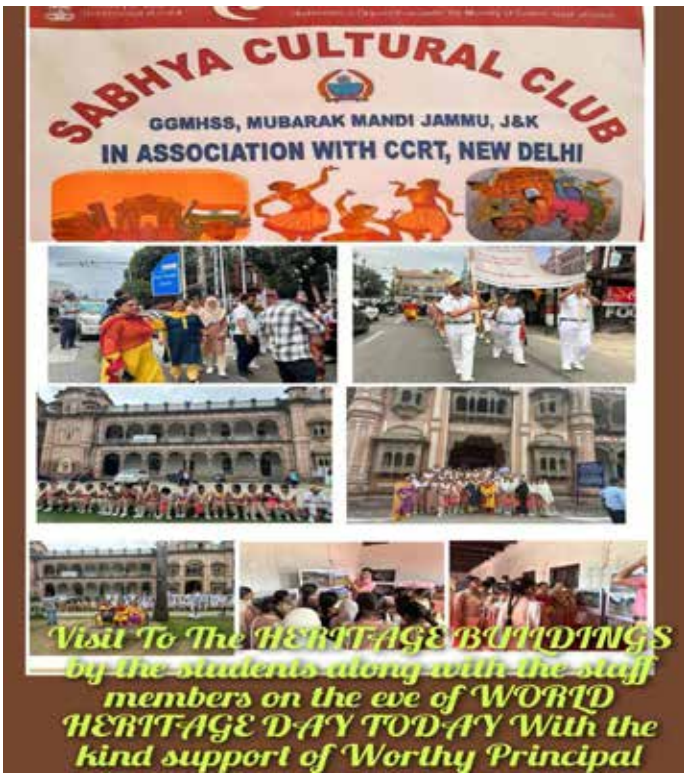

- स्वच्छता पखवाड़ा (16-30 अप्रैल 2025) के अन्तर्गत सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र क्षेत्रीय केंद्र उदयपुर द्वारा उदयपुर शहर व मावली ग्रामीण क्षेत्र के आम जनता, विद्यार्थियों, राजकीय कार्यालयों में स्वच्छता जन चेतना प्रचार-प्रसार हेतु जागृति रथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

- स्वच्छता पखवाड़ा (16-30 अप्रैल 2025) के दौरान क्षेत्रीय केंद्र दमोह द्वारा राजकीय कन्या हाई स्कूल ग्राम अभाना जिला दमोह में "वेस्ट मटेरियल से क्राफ्ट बनाने" पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी द्वारा कॉलेजिएट उच्च माध्यमिक विद्यालय, पानबजार, गुवाहाटी में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 150 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छ भारत अभियान के संदेश को मजबूती दी।

- सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र नई दिल्ली में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें सुश्री स्वाति सिंह साम्ब्याल जी ने 'धरोहर स्थलों पर कचरा प्रबंधन' विषय पर व्याख्यान दिया।

- सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत कार्यालय परिसर में एक उत्साहपूर्ण स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया, सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने एकजुट होकर इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई।

- सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत राजकीय सर्वोदय सह शिक्षा विद्यालय, नई दिल्ली में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छात्रों ने अपशिष्ट सामग्री से रचनात्मक शिल्प निर्माण और मूक अभिनय के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण व कलात्मक अभिव्यक्ति का अनूठा संगम प्रस्तुत किया।

- सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर द्वारा उदयपुर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल 'सहेलियों की बाड़ी' में स्वच्छता बनाए रखने हेतु हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तों के पर्यटक व स्थानीय आम जनता ने सक्रिय रूप से हस्ताक्षर कर घर–परिवार तथा अन्य लोगों को प्रेरित करने का संकल्प लिया।

- सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी द्वारा श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र परिसर में श्रमदान (स्वच्छता अभियान) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, स्थानीय समुदाय के सदस्यों तथा श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

- सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली, द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्ष श्री विनोद नारायण इंदुरकर, सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

- सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) उदयपुर क्षेत्रीय केंद्र द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हवाला खुर्द, बड़ी, उदयपुर में श्रमदान के माध्यम से परिसर सफाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों व अध्यापकों ने स्वच्छता शपथ ली और प्लास्टिक, बोतल व कचरे को हटाकर क्षेत्र को स्वच्छ बनाया।

- सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा कार्यालय परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा के समापन (30 अप्रैल 2025) के अवसर पर स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छ भारत मिशन को सशक्त बनाने में अपना योगदान दिया।

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

● एनईपी-2020 के अनुरूप अनुस्थापन पाठ्यक्रम

अनुस्थापन पाठ्यक्रम का आयोजन देश के सभी भागों के माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के सेवारत शिक्षकों/शिक्षिकाओं तथा शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए किया जाता है। इसकी अवधि लगभग तीन सप्ताह तक की होती है तथा इसमें विविध कार्यक्रम शामिल होते हैं, जैसे-व्याख्यान, व्याख्यान-प्रदर्शन, व्यावहारिक कक्षाएं और प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक रुचि के स्थानों की शैक्षिक यात्राएँ। इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले अध्यापकों का परिचय अपनी समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत की संरचना से कराया जाता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों/शिक्षिकाओं को भारत की विविध रचनात्मक अभिव्यक्तियों को विचार देने हेतु इस दृष्टि से तैयार किया जाता है कि स्कूली बच्चे प्रकृति और कला में निहित सौंदर्य को उद्भासित कर सकें। जन समुदाय के सदस्यों के साथ, विशेषकर युवा पीढ़ी द्वारा अपनी सांस्कृतिक विरासत तथा विविध प्रकार की भौगोलिक विशिष्टताओं व उन प्रजातीय, धार्मिक, भाषायी समूहों के बारे में समझा जाना जरूरी है, जिन्होंने हमारी संस्कृति की समृद्धि और सौंदर्यात्मक गुणवत्ता को बढ़ाने में योगदान किया है। यही जागरुकता संपूर्ण मानव जाति के लिए प्रेम की भावना सँजोती है तथा अच्छे नागरिक बनाने में मदद करती है।

वर्ष 2024-25 के दौरान (जून 2024-फरवरी 2025) सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केन्द्रों में आयोजित कुल 14 अनुस्थापन पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यशालाओं में देश के विभिन्न भागों से कुल 849 शिक्षकों (267 महिला शिक्षकों सहित) को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कला शिक्षा, हिंदुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत, भारतीय रंगमंच, पारंपरिक चित्रकला और शिक्षण उपकरण के रूप में कहानी कहने की भूमिका पर विशेष व्याख्यान एवं चर्चाएँ आयोजित की गईं। कठपुतली, रंगमंच अध्ययन और बहुभाषिकता के संज्ञानात्मक विकास पर प्रभाव जैसे अनुभवात्मक शिक्षण तकनीकों पर जोर दिया गया। इन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को पुरातत्व और वास्तुकला पर केंद्रित सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया और सालारजंग संग्रहालय, कुतुब शाही मकबरे, गोलकुंडा किला और नेहरू प्राणी उद्यान की शैक्षिक यात्राएँ भी कराई गईं। हस्तशिल्प पर आधारित शिक्षण में मधुबनी चित्रकला, बांधनी, मिट्टी के बर्तन और एप्लिक आर्ट कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षकों को रचनात्मकता एवं सतत विकास की शिक्षा दी गई।

इसके अतिरिक्त, शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों जैसे कि संग्रहालय-आधारित शिक्षण, माइम और मूवमेंट तकनीकों और सांस्कृतिक संरक्षण में मीडिया की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। सतत जीवन और स्वच्छ भारत मिशन के तहत अपशिष्ट प्रबंधन पर चर्चाओं द्वारा पर्यावरणीय जागरूकता भी बढ़ाई गई।

इन कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण प्रतिभागियों द्वारा अपने-अपने राज्यों की सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन रहा, जिससे विविधता में एकता का संदेश प्रसारित हुआ।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी **श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.),** निदेशक, सीसीआरटी **डॉ. राहुल कुमार,** उप निदेशक (प्रशिक्षण-I) **डॉ. संदीप शर्मा,** उप निदेशक (मूल्यांकन) **श्री दिबाकर दास,** उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति) **श्री के.एस.एल. गणेश,** उप निदेशक (प्रशासन) **श्री आशुतोष,** उप निदेशक (प्रशिक्षण-II) **श्री श्रीभगवान वर्मा,** उप निदेशक (उत्पादन) **श्री मनीष कुमार,** हिन्दी अधिकारी	**श्री वाई. चन्द्र शेखर,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना **श्री ओम प्रकाश शर्मा,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान **श्री निरंजन भुइयां,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम **श्री के.एस.एल. गणेश,** उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार,** निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर